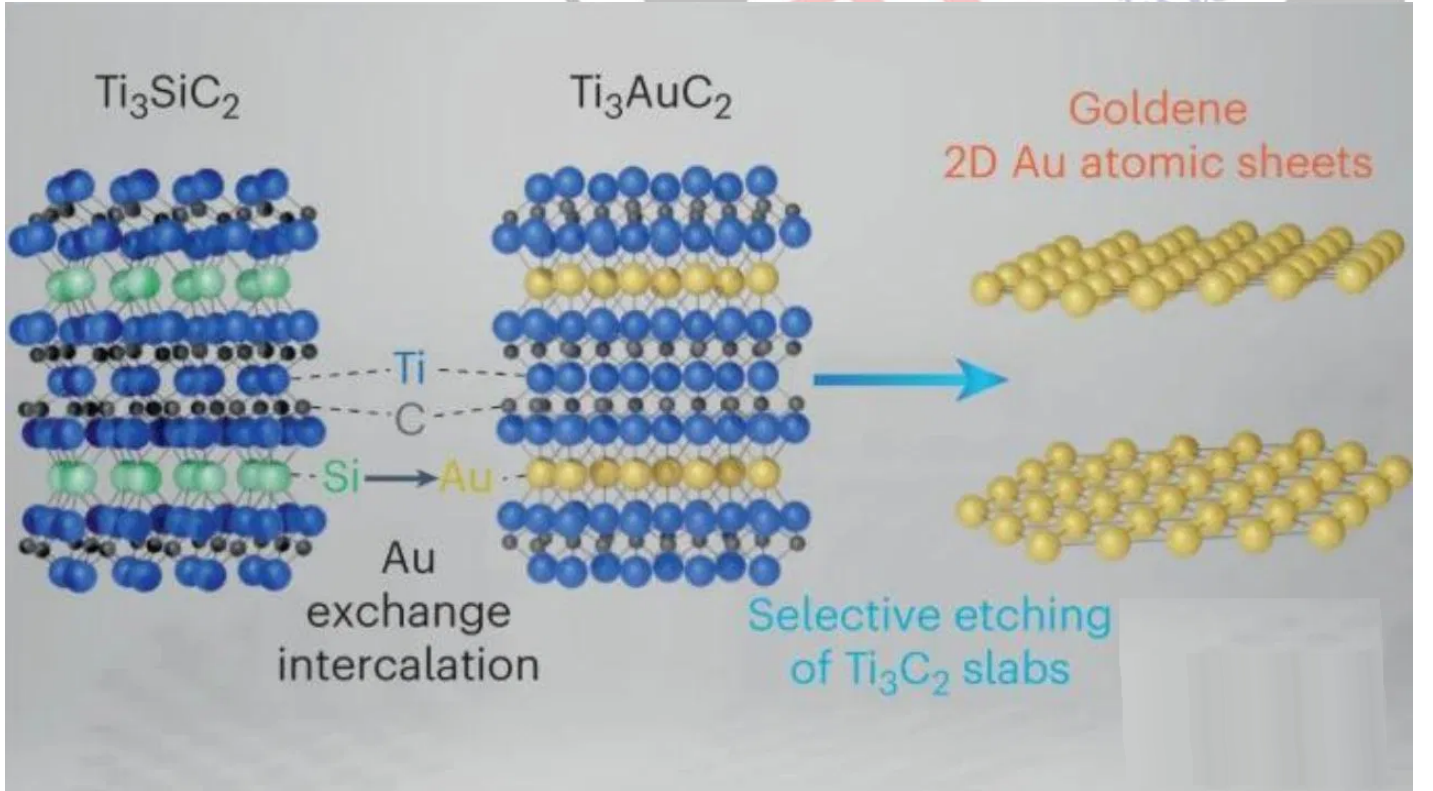


गोल्डीन

स्रोत: लाइव मटि

हाल ही में स्वीडन के शोधकर्त्ताओं ने 'गोल्डीन' नामक पदार्थ विकसित किया है, यह सोने की **एकल-परमाणु परत** है, जिसका उपयोग हाइड्रोजन उत्पादन, जल शुद्धिकरण, मूल्यवर्द्धित रसायनों के उत्पादन, संचार आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जा सकता है।

- उन्होंने अंधेरे में कार्बन को चुनदा रूप से हटाने और सोने को घोलने वाले साइनाइड के गठन को रोकने के लिये प्राचीन जापानी स्मथिंग (फोरजिंग आर्ट) तकनीक से प्रेरित होकर **मुराकामी के अभिक्रमक** के एक संशोधित संस्करण का उपयोग किया।
- शोधकर्त्ताओं ने गोल्डीन बनाने के लिये एक **त्रि-आयामी आधार** सामग्री का उपयोग किया, जहाँ सोना **टाइटेनियम और कार्बन की परतों के बीच अंतरनिहित** है।
 - परमाणु, आणविक और सुपरमॉलीक्यूलर पैमाने (लगभग 1 से 100 नैनोमीटर) पर पदार्थ के हेरफेर को **नैनोटेक्नोलॉजी** कहा जाता है। एक **नैनोमीटर (nm) एक मीटर का अरबवाँ हिस्सा (10⁻⁹) होता है**।
- सोने के इस नए रूप में **ग्राफीन** के समान नियमित सोने की तुलना में अलग गुण हैं।
 - उदाहरण के लिये सोना आमतौर पर एक धातु है, लेकिन अगर एक परमाणु परत मोटी हो तो सोना अर्द्धचालक बन सकता है।



//

और पढ़ें: [नैनोटेक्नोलॉजी](#)

